अजमेर की आठ सीटों में से सात पर भाजपा का कब्जा

भाजपा के वासुदेव देवनानी ने पांचवीं बार विधायक बनने का इतिहास रचा

अजमेर उत्तर से भाजपा प्रत्याशी वासुदेव देवनानी 4644 वोटों से जीते।

अजमेर दक्षिण से भाजपा प्रत्याशी अनिता भदेल जीती।

अजमेर, (कासं)। विधानसभा चुनाव 2023 में इस बार कांग्रेस को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। अजमेर की आठों विधानसभा सीटों में से सात पर भाजपा ने अपनी जीत दर्ज करवाई तो वहीं मात्र एक विधानसभा सीट किशनगढ़ पर कांग्रेस प्रत्याशी विकास चौधरी ने जीत हासिल कर कांग्रेस की लाज रख ली।

अजमेर उत्तर विधानसभा में इस बार चेहरा परिवर्तन की मांग को लेकर भाजपा के कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा भारी विरोध किया गया और भाजपा से बागी हुए ज्ञान चंद सारस्वत ने निर्दलीय चुनाव लड़ने के बावजूद भाजपा प्रत्याशी वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस प्रत्याशी महेन्द्र सिंह रलावता को चार हजार 644 वोटों से पराजित कर देवनानी ने जीत हासिल कर पांचवीं बार विधायक बनने का इतिहास रच दिया। भाजपा प्रत्याशी वासुदेव देवनानी को कुल 57895 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी महेन्द्र सिंह रलावता को 53251 वोट मिले, तो वहीं भाजपा से बागी हुए निर्दलीय प्रत्याशी ज्ञानचंद सारस्वत को 26352 वोट मिले तो कुंदन वैष्णव को 1971 वोट मिले।

अजमेर दक्षिण विधानसभा सीट भाजपा प्रत्याशी अनिता भदेल ने अपने सामने चुनावी मैदान में खड़ी कांग्रेस प्रत्याशी द्रोपदी कोली को 4446 मतों से पराजित कर भदेल पांचवी बार विधायक बनी। दक्षिण विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी अनिता भदेल को 71319 तथा कांग्रेस प्रत्याशी द्रोपदी कोली को 66873 मत मिले तथा निर्दलीय प्रत्याशी आरएलपी प्रत्याशी परमेश्वर लाल कटारिया को 440 मत तो वही निर्दलीय प्रत्याशी विनोद कुमार को 456 मत मिले।

केकड़ी में आखिर विकास पर व्यवहार भारी पड़ गया। व्यवहार के दम पर भाजपा प्रत्याशी शत्रुघ्न गौतम ने विकास पुरुष के नाम से पहचान रखने वाले कांग्रेस के कद्दावर नेता डॉ रघु शर्मा को 7542 मतों के अंतर से हराया। इस जीत के साथ ही शत्रुघ्न गौतम दूसरी बार केकड़ी से विधायक बने हैं। केकड़ी में शत्रुघ्न गौतम की जीत के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओ ने जश्न मनाया। शहर के विभिन्न गली चौराहा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और एक दूसरे का मुंह मीठा करा कर खुशी का इजहार किया।

- **भाजपा की अनिता भदेल ने कांग्रेस प्रत्याशी द्रोपदी कोली को 4446 मतों से पराजित किया**

किशनगढ़ विधानसभा :- विधानसभा चुनाव 2023 के परिणाम में कांग्रेस के डॉ विकास चौधरी ने निर्दलीय उम्मीदवार सुरेश टांक को 3620 वोट से शिकस्त देकर जीत हासिल की। वही भाजपा प्रत्यासी व सांसद भागीरथ चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। कांग्रेस उम्मीदवार विकास चौधरी को 83645 मत, निर्दलीय सुरेश टाक 80025 वोट, भाजपा के भागीरथ चौधरी को 37534 वोट मिले।

मसूदा विधानसभा :- विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी व मसूदा निवासी प्रत्याशी वीरेन्द्र सिंह कानावत के भारी मतों से विजयी होने पर कस्बे सहित मसूदा विधानसभा में खुशी की लहर दौड़ गई। साथ ही जमकर आतिशबाजी की गई।कस्बे में रविवार को विधानसभा चुनाव की मतगणना में मसूदा निवासी भाजपा प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह कानावत ने 26775 मतों से जीत हासिल की। नसीराबाद विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी रामस्वरूप लांबा अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी शिव प्रकाश गुर्जर को 1135 मतों से पराजित कर लांबा ने जीत हासिल की। पुष्कर सीट पर भाजपा के सुरेश सिंह रावत ने लगातार जीत हासिल कर हैट्रिक लगाने में कामयाब हो गए।

वही कांग्रेस की नसीम अख्तर इंसाफ को तीसरी बार हार का मुंह देखना पड़ा। इसके साथ उनके भविष्य में विधायक टिकट मिलने पर भी प्रश्न चिन्ह लग गया। ब्यावर से भाजपा प्रत्याशी शंकरसिंह रावत ने जीत का चौका लगाया। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के पारसमल जैन पंच को 9063 मतों से हराया है। भाजपा के शंकर सिंह रावत की जीत का सबसे महत्वपूर्ण कारण जातिगत वोट बैंक रहा, ग्रामीण बाहुल्य क्षेत्रां में पारसमल जैन की कार्यकर्ताओं व आमजन में पकड कम होना भी हार का कारण माना जा रहा है।

कांग्रेस के कुशासन का अंत हुआ : डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

सवाईमाधोपुर, (निसं)। विधानसभा चुनाव के मध्य नजर सवाई माधोपुर जिले की चार विधानसभा सीटों में से दो पर भाजपा ने अपना कब्जा जमा लिया। लेकिन दो सीट फिर कांग्रेस के खाते में चली गई। सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय की सवाई माधोपुर विधानसभा सीट जहां राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा भाजपा प्रत्याशी चुनाव जीत गए। इस सीट पर भाजपा की बागी आशा मीणा के कारण शुरू से ही त्रिकोणीय मुकाबला रहा। लेकिन इसके बावजूद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने सवाई माधोपुर विधानसभा सीट से चुनाव जीते।

उन्होंने निकटतम कांग्रेस के प्रत्याशी को 22510 मतों से शिकस्त दी। इसके अलावा खंडार विधानसभा सीट पर भी भाजपा के जितेंद्र गोठवाल ने अपना कब्जा जमाया। गोठवाल ने कांग्रेस प्रत्याशी अशोक बैरवा को 14274 मतों से पराजित किया। जिले की बामनवास सीट पर कांग्रेस की इंदिरा मीणा ने लगातार दूसरी बार अपनी जीत हासिल की। साथ ही गंगापुर सिटी से रामकेश मीणा ने भी कांग्रेस से जीत दर्ज की। मत गणना स्थल पर किसी के चेहरे पर जीत के भाव तो किसी के चेहरे पर हार की मायूसी देखने को मिली। इस अवसर पर कांग्रेस प्रत्याशी इंदिरा मीणा ने बात करते हुए कहा कि बामनवास विधानसभा सीट से कांग्रेस का कोई भी प्रत्याशी दोबारा जीत नहीं सका। ऐसे में उन्होंने जीत कर इतिहास रच दिया है। साथ ही डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के कुशासन का अंत हुआ और अब भाजपा विकास के रास्ते पर चलते हुए प्रचंड बहुमत से सरकार बनाकर सुशासन प्रदान करेगी।

- **चार विधानसभा सीट में से दो पर भाजपा का तो दो पर कांग्रेस का कब्ज़ा रहा बरकरार**

भरतपुर में इस बार मतदाताओं ने उलटफेर किया

भरतपुर में सात विस. क्षेत्रों में भाजपा को पांच सीट

भरतपुर (निस)। भरतपुर में सात विधानसभा क्षेत्रों की चुनावी मतगणना में मिले परिणामों में भाजपा को पांच सीट, एक निर्दलीय एवं एक पर कांग्रेस समर्थित रालौद के उम्मीदवार विजयी हुए हैं। इससे पहले इन सात विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के पास एक भी सीट नहीं थी। पिछली बार पांच पर कांग्रेस व दो पर बसपा के उम्मीदवार जीते थे।

बाद में बसपा के विधायक भी कांग्रेस के साथ शामिल हो गए। जिससे भरतपुर की सभी सीट कांग्रेस की हो गई। लेकिन इस बार मतदाताओं ने उलटफेर कर दिया है। अब विधानसभा चुनाव के बाद डीग कुम्हेर से भाजपा के डॉ षैलेश सिंह, नगर से भाजपा के जवाहर सिंह बेढम, कामां से भाजपा की नौक्षम चौधरी, वैर से भाजपा के बहादुर सिंह कोली, नदबई से भाजपा के जगत सिंह विधायक बने हैं। जबकि बयाना से भाजपा की बागी उम्मीदरवार डॉ ऋतु बनावत निर्दलीय विधायक बनी हैं। जबकि भरतपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस समर्थित आरएलडी के उम्मीदवार डॉ सुभाश गर्ग विधायक बने हैं। इससे पहले भी डॉ सुभाश गर्ग विधायक थे और सरकार में राज्यमंत्री रहे थे। लेकिन इस बार राज्य में भाजपा सरकार बनने से डॉ सुभाश गर्ग को अब विपक्ष में बैठना होगा। सबसे ज्यादा मतों से बयाना क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार ऋतु बनावत ने 40 हजार 642 मतों से जीत हासिल की। जबकि सबसे कम मतों से नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याषी जवाहर सिंह बेढम 1531 मतों से विजयी बने।

इस चुनाव में भरतपुर जिले से दो महिला पहली बार विधायक बनी हैं जिसमें कामां से नौक्षम चौधरी व बयाना से ऋतु बनावत हैं। इस चुनाव में कांग्रेस सरकार में रहे तीन केबिनेट मंत्री भजन लाल जाटव को वैर क्षेत्र से एवं डीग कुम्हेर से केबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह एवं कामां से राज्यमंत्री जाहिदा खान को पराजय मिली है। जबकि राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त एवं बसपा से विधायक बनकर कांग्रेस में शामिल हुए दो विधायक जोगिन्दर अवाना एवं वाजिब अली को भी पराजय का सामना करना पडा है। केवल राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने कांग्रेस की लाज रखी है। पहले भी ये आरएलडी से ही विधायक थे अब दूसरी बार आरएलडी से ही विधायक रहे हैं।

- **वहीं एक निर्दलीय एवं एक पर कांग्रेस समर्थित रालौद उम्मीदवार विजयी**
- **इससे पहले इन सात विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के पास एक भी सीट नहीं थी**

नागौर से हरेन्द्र मिर्धा व खींवसर से हनुमान बेनीवाल चुनाव जीते

चार बीजेपी, चार कांग्रेस, एक आरएलपी तो एक निर्दलीय को मिली जीत

नागौर, (निसं)। सोलहवीं विधानसभा के लिए 25 नवम्बर को हुए आमचुनाव के तहत नागौर जिले की दस विधानसभा सीटों के लिए हुए मतदान की रविवार को मतगणना हुई। नागौर जिला मुख्यालय के मिर्धा महाविद्यालय और माडीबाई महिला महाविद्यालय में मतगणना हुई। जिले की दस सीटों पर कुल 81 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हुई।

चुनाव परिणाम को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता रही। पांच सीटों की मतगणना मिर्धा महाविद्यालय में तथा पांच सीटों की मतगणना कन्या महाविद्यालय में हुई। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को लेकर स्थापित मतगणना कक्ष में 14 टेबल लगाई गई थी। सुबह जल्दी ही लोग मतगणना स्थल की ओर पहुंचना शुरू हो गए। दिन चढ़ने के साथ ही मतगणना स्थल के बाहर लोगों की भीड़ जुटना शुरू हो गई। परिणाम आने के साथ ही कार्यकर्ता व समर्थक ढोल धमाकों के झूमने लगे।

इनके सिर बंधा जीत का सेहरा :- दोपहर बाद आए चुनाव परिणाम में 4 सीट पर भाजपा, 4 पर कांठासे , एक पर आरएलपी व एक पर निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत हासिल की। लाडनूं से कांग्रेस के मुकेश भाकर, जायल से भाजपा की मंजू बाघमार, नागौर से कांठोस के हरेन्द्र मिर्धा, खींवसर से आरएलपी के हनुमान बेनीवाल, मेड़ता से भाजपा के लक्ष्मणराम मेघवाल, डेगाना से भाजपा के अजय सिंह किलक, मकराना से कांग्रेस के जाकिर हुसैन गैसावत, परबतसर से कांग्रेस के रामनिवास गावड़िया, नावां से भाजपा के विजय सिंह चौधरी ने जीत हासिल की। जबकि डीडवाना युनुस खान अपने निकटतम प्रतिद्वंदी चेतन डूडी को हराया।

आरएलपी को लगा झटका :- हनुमान बेनीवाल की आरएलपी को इस चुनाव में करारी हार का सामना करना पडा। बेनीवाल अकेले खींवसर से चुनाव जीते जबकि 2018 में हनुमान खींवसर से, मेडता से इंदिरा बावरी व भोपालगढ से पुखराज गर्ग जीते थे। इस बार आरएलपी ने 81 प्रत्याशी मैदान में उतारे मगर 80 प्रत्याशी चुनाव हार गए केवल हनुमान बेनीवाल ही चुनाव जीत पाए।

चाचा ने हराया भतीजी को :- नागौर सीट से भाजपा ने इस बार कांग्रेस से सांसद रही ज्योति मिर्धा को अपने पाले में मिलाकर टिकट दिया मगर कांग्रेस ने उनके रिश्ते में चाचा पूर्व मंत्री हरेंद्र मिर्धा को टिकट दे दिया। हरेंद्र की उम्मीदवारी से ही सारे समीकरण गडबडा गए थे। अंत में चाचा हरेंद्र मिर्धा ने भतीजी ज्योति मिर्धा को शिकस्त दे दी।

यूनुस खान का टिकट काटना पडा भारी :- भाजपा को डीडवाना में यूनुस खान का टिकट काटना भारी पड़ गया। यहां यूनुस खान बागी हो गए और निर्दलीय मैदान में उतरे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांठोस के चेतन डूडी को हराया। भाजपा के जितेंद्र सिंह तीसरे नंबर पर रहे। यूनुस खान पहले 2 बार भाजपा से ही डीडवाना सीट से चुनाव जीते हुए थे मगर इस बार भी भाजपा ने यूनुस को टिकट नहीं दिया मगर उन्होंने निर्दलीय जीत कर अपना लोहा मनवा लिया।

मैनेजमेंट की कमी के कारण हारे रफीक मंडेलिया

चूरू, (कासं)। चूरू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के हरलाल सहारण के सामने कांग्रेस के रफीक मंडेलिया को खुद के मैनेजमेंट की कमी के कारण एक बार फिर हार का मुंह देखना पड़ा है। यहां रही-सही कसर कांग्रेस की टिकट के दावेदारों और नगरपरिषद ने पूरी कर दी।

यहां राजनीति के जानकारों का कहना है कि रफीक मंडेलिया ने समय रहते अपने बिगड़ हुए मैनेजमेंट की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। इतना ही नहीं मंडेलिया ने चुनाव की कमान भी उन्हीं के हाथों में सौंप दी, जिन्होंने 'मंडेलिया भगाओ' आंदोलन चलाया था। समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी मंडेलिया के लिए हानिकारक साबित हुए है। यहां कांग्रेस की टिकट मांगने वाले दावेदारों ने आलाकमान को जवाब दे दिया है। 'मंडेलिया भगाओ' आंदोलन करने में टिकट के अन्य सभी दावेदार एकजुट हुए थे। सभी ने आखिर तक प्रयास किया था कि चूरू से मंडेलिया को कांग्रेस की टिकट नहीं मिले। मंडेलिया ने सभी दावेदारों के सपनों पर पानी फेरते हुए टिकट ले ली। उस समय दावेदारों ने कहा कि आलाकमान को इसका जवाब वोट की ताकत से देंगे और वही कर दिखाया। यहां मंडेलिया अपनी पार्टी के स्थानीय नेताओं के जाल में उलझकर रह गए। इन सबके साथ नगरपरिषद चूरू का भी मंडेलिया की हार में काफी बड़ा हाथ माना जा रहा है। इन लोगों ने मंडेलिया को सोचने का मौका ही नहीं दिया। इनके द्वारा खाली लिफाफे की तरह साथ रहकर खेल बिगाड़ने का ही काम किया गया। कुल मिलाकर रफीक मंडेलिया के साथ विश्वासघात हुआ है।

यहां रफीक मंडेलिया को मंथन करने की आवश्यकता है। दूसरी ओर भाजपा के हरलाल सहारण द्वारा की गई मेहनत रंग ले आई। यहां राजेन्द्र राठौड़ ने हरलाल सहारण के लिए झोली फैलाकर वोट मांगे थे, चूरू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं ने सहारण को विजयी बना दिया। जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने हरलाल सहारण का जोरदार स्वागत किया। लखेन्द्रसिंह दांदू, दलीपसिंह शेखावत आदि सहित समर्थकों ने सहारण को कंधों पर उठा लिया। चूरू में भाजपा के हरलाल सहारण ने 61 वर्ष में यहां किसी भी जाट नेता के विधायक नहीं बनने का रिकार्ड तोड़ दिया है। यहां कहा जा रहा है कि अब रफीक मंडेलिया लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र चूरू की टिकट लेकर आएंगे।

- **चूरू में कांग्रेस की टिकट के दावेदारों ने रही-सही कसर पूरी कर दी**

धौलपुर में तीन सीटों पर कांग्रेस व एक पर ब.स.पा. जीती

धौलपुर, (निसं)। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 की मतगणना हुई। जिसमें धौलपुर जिले की तीन विधानसभा सीटों धौलपुर, बसेड़ी एवं राजाखेड़ा में जहां कांग्रेस के हाथ ने अपना परचम लहराया है। वहीं बाड़ी विधानसभा सीट पर बसपा ने जीत दर्ज की है। धौलपुर विधानसभा की कांग्रेस प्रत्याशी शोभारानी कुशवाहा ने अपने प्रतिद्वंदी बीएसपी के रितेश शर्मा को 16789 वोटों और बीजेपी के डॉक्टर शिवचरण कुशवाह को 24087 वोटों से हराया है। वहीं राजाखेड़ा के वर्तमान विधायक व कांग्रेस प्रत्याशी रोहित बौहरा ने बीजेपी की नीरजा शर्मा को 15230 वोटों से शिकस्त दी है।

बसेड़ी में कांग्रेस प्रत्याशी संजय कुमार ने अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सुखराम कोली को 27110 वोटों से पीछे छोड़ा है। वहीं बात करें बाड़ी विधानसभा सीट की तो बीएसपी के प्रत्याशी व पूर्व विधायक जसवंत सिंह गुर्जर ने वर्तमान विधायक व भाजपा प्रत्याशी गिर्राज सिंह मलिंगा को 27424 वोटों और कांग्रेस के प्रशांत परमार को 94459 वोटों से हराया है।

अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों की जीत की खुशी में समर्थकों ने बम पटाखे फोड़कर और लड्डू मिठाई बताकर खुशियां मनाई। वहीं जीते हुए प्रत्याशियों ने अपने क्षेत्र के लोगों को जीत की खुशी के लिए शुभकामनाएं व बधाई दी और सबका आभार जताया।

मतगणना के दौरान जैसे ही जीत के रुझान आना शुरू हुआ तो मतगणना स्थल राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज धौलपुर के बाहर हजारों की संख्या में मौजूद प्रत्याशियों के समर्थको ने जीत की खुशी का जश्न मनाना शुरू कर दिया। वहीं मतगणना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त रहे। बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी, अर्ध सैनिक बल, आरएसी का जाप्त, पुलिस अधिकारी तैनात रहे। जिन्होंने मतगणना शांतिपूर्ण संपन्न करवाई। मतगणना में जब धौलपुर विधानसभा सीट की गिनती शुरू हुई तो पहले राउंड से लेकर तीसरे राउंड तक बसपा के प्रत्याशी रितेश शर्मा आगे चल रहे थे। उसके बाद चौथे राउंड से लेकर अंतिम राउंड तक कांग्रेस की शोभारानी कुशवाहा लगातार लीड करती रहीं। जिसमें सिर्फ पहले राउंड में ही बीजेपी के प्रत्याशी डॉक्टर शिवचरण कुशवाह दूसरे नंबर पर रहे, इसके बाद लगातार अंत तक तीसरे नंबर पर बने रहे।

सबसे ज्यादा कमाल तो बाड़ी विधानसभा सीट पर देखने को मिला, जहां पहले राउंड से लेकर अंतिम 19 राउंड तक बसपा के प्रत्याशी व पूर्व विधायक जसवंत सिंह गुर्जर लगातार लीड करते रहे। वहीं दूसरे नंबर पर बीजेपी के गिर्राज सिंह मलिंगा और तीसरे नंबर पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रशांत परमार रहे। इसी प्रकार अगर बसेड़ी विधानसभा की बात करें तो पहले राउंड से लेकर तीसरे राउंड तक बीजेपी के प्रत्याशी सुखराम कोली आगे बने रहे। लेकिन चौथे राउंड में संजय कुमार आगे निकल गए। इसके बाद पांचवें राउंड से लेकर आठवें राउंड तक फिर से सुखराम कोली आगे रहे। लेकिन नौवें राउंड से लेकर अंतिम राउंड तक फिर से कांग्रेस प्रत्याशी संजय कुमार लगातार लीड करते रहे।

राजाखेड़ा विधानसभा सीट की तो पहले राउंड में ही बीजेपी की प्रत्याशी नीरजा शर्मा आगे रहीं। उसके बाद तो कांग्रेस के प्रत्याशी व वर्तमान विधायक रोहित बौहरा दूसरे राउंड से अंतिम राउंड तक लगातार लीड करते रहे।

- **धौलपुर से कांग्रेस की शोभारानी कुशवाहा, राजाखेड़ा से कांग्रेस के रोहित बौहरा जीते**

सीकर जिले में पांच पर कांग्रेस व तीन सीट पर बीजेपी उम्मीदवार जीते

सीकर, (निसं)। विधानसभा आम चुनाव-2023 के चुनाव में सीकर जिले के 8 विधानसभा क्षेत्रों से कांग्रेस के पांच और भारतीय जनता पार्टी के तीन उम्मीदवार विजयी घोषित किए गए है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर सौरभ स्वामी ने बताया कि सीकर, नीमकाथाना, दांतारामगढ़, लक्ष्मणगढ़ और फतेहपुर से कांग्रेस के प्रत्याशी विजयी घोषित किए गए हैं, जबकि धोद, श्रीमाधोपुर व खण्डेला से बीजेपी उम्मीदवार विजयी घोषित किए गए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सीकर से कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र पारीक ने भाजपा के रतन लाल जलधारी को 30038 मतों से हराया है। नीमकाथाना से कांग्रेस के सुरेश मोदी ने भाजपा के प्रेमसिंह बाजौर को 33090 मतों से हराया है। श्रीमाधोपुर से भारतीय जनता पार्टी के झाबर सिंह खर्रा ने कांग्रेस के दीपेन्द्र सिंह शेखावत को 14459 मतों से हराया है। इसी प्रकार दांतारामगढ़ से कांग्रेस के वीरेन्द्र सिंह ने भाजपा के गजानंद कुमावत को 7997 मतों से हराया है।

धोद से भारतीय जनता पार्टी के गोवर्धन वर्मा ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (मार्क्सिस्ट) के पेमाराम को 13378 मतों से हराया है। लक्ष्मणगढ़ में कांग्रेस के गोविन्द सिंह डोटासरा ने भाजपा के सुभाष महारिया को 18970 मतों से हराया तथा फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के हाकम अली खां ने भाजपा के श्रवण चौधरी को 25993 मतों से हराया है। उन्होंने बताया कि खण्डेला से बीजेपी के सुभाष मील ने कांग्रेस के महादेव सिंह खण्डेला को 42639 मतों से पाराजित किया है।

- **धोद, श्रीमाधोपुर व खण्डेला से बीजेपी उम्मीदवार विजयी घोषित किए गए**

चौरासी व आसपुर में भारत आदिवासी पार्टी ने बाजी मारी

डूंगरपुर में कांग्रेस व सागवाड़ा में भाजपा प्रत्याशी जीते, बी.ए.पी. के रोत ने बनाया इतिहास, सर्वाधिक मतों से अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की

डूंगरपुर, (निसं)। विधानसभा आम चुनाव के तहत डूंगरपुर जिले की चार विधानसभा सीटों के लिए मतगणना रविवार को श्रीभोगीलाल पण्ड्या राजकीय महाविद्यालय में संपन्न हुई। अंतिम परिणाम के अनुसार डूंगरपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी गणेश घोगरा, आसपुर विधानसभा क्षेत्र से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के उमेश मीणा, सागवाड़ा विधानसभा क्षेत्रसे भारतीय जनता पार्टी के शंकरलाल डेंचा और चौरासी विधानसभा सीट से बीएपी के राजकुमार रोत विजयी हुए।

रविवार प्रात: से ही मतगणना को लेकर आमजन में उत्साह का माहौल था हालांकि परिणाम से पूर्व हुई चर्चाओं में अधिकांश लोगों का मत था कि चौरासी एवं आसपुर सीट पर बीएपी तथा सागवाडा व डूंगरपुर में भाजपा कांग्रेस अपना अस्तित्व कायम रखने में कामयाब हो जायेंगे लेकिन जिस तरह

प्रत्याशियों को विजयी होने के बाद प्रमाण पत्र दिये।

चौरासी विधानसभा सीट में दुबारा विधायक बने राजकुमार रोत की जीत का अंतर भी भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशियों को मिले वोटों से भी अधिक है। जिसने पूरे राजनितिक विश्लेषण को झकझोर के रख दिया कि आखिरकार इतने बड़े अंतर से विधानसभा चुनाव में एक क्षेत्रीय दल ने अपनी जीत दर्ज की है तो वहीं डूंगरपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी व दुबारा से विधायक बने गणेश घोघरा के लिये बागी उम्मीदवारों को लेकर संगठन ने भी चोरी छिपे सहयोग किया।

ताकि घोघरा चुनाव में शिकस्त को प्राप्त करे लेकिन घोघरा ने इसके विपरीत आम सभा की बजाय डोर टु डोर गांव-ढाणी जाकर संपर्क अभियान के जरियें अपने पक्ष में मतदान के लिये हर संभव प्रयास किये ओर उसी का परिणाम रहा कि वह 19 हजार मतों से विजयी बने। वहीं चौरासी में तो आजादी के बाद से अब तक सबसे बड़ी जीत क्षेत्रीय दल ने अर्जित की है जबकि इन पांच साल में गहलोत सरकार ने चौरासी को काफी सौगातें भी दी थी इसके बावजूद दोनों प्रमुख दलों को आम मतदाता ने जिस तरह हासिये पर रखा उसको देखते हुये विकास का मुद्दा गौण हो गया और जातिवाद का मुद्दा सिरमौर बन बैठा।

डूंगरपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार गणेश घोगरा को कुल 69,338 मत प्राप्त हुए। जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीएपी के कांतिलाल रोत को 50,285 मतप्राप्त हुए। वहीं,आसपुर विधानसभा क्षेत्र से विजयी प्रत्याशी बीएपी के उमेश मीणा को कुल 93 हजार 742 मत प्राप्त हुए। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के गोपीचंद को 64 हजार 802 मत मिले। सागवाडा विधानसभा सीट से विजयी प्रत्याशी भारतीय जनता पार्टी के शंकरलाल डेचा को 75,175 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीएपी के मोहनलाल रोत को 63 हजार 176 मत प्राप्त हुए। इसी प्रकार चौरासी विधानसभा सीट से बीएपी के राजकुमार रोत को 1 लाख 11 हजार 150 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के सुशील कटारा को 41 हजार 984 मत प्राप्त हुए।